Series **E1GFH/2**

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **2/2/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं – **खंड-'अ'** और **'ब'** । कुल प्रश्न 13 हैं ।*

*(ii) **खंड-'अ'** में 45 बहुविकल्पी वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 उपप्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*(iii) **खंड-'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।

(v) दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खंड – अ

(बहुविकल्पी वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले सही विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

काव्यांश-एक

अलग नगर के कोलाहल से, अलग पुरी-पुरजन से
कठिन साधना में उद्योगी लगा हुआ तन-मन से ।
निज समाधि में निरत, सदा निज कर्मठता में चूर,
वन्यकुसुम-सा खिला कर्ण, जग की आँखों से दूर ।

नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में,
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुञ्ज-कानन में ।
समझे कौन रहस्य ? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल
गुदड़ी में रखती चुन-चुन कर बड़े कीमती लाल ।

जलद-पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है ?
युग की अवहेलना शूरमा कब तक सह सकता है ?
पाकर समय एक दिन आखिर उठी जवानी जाग,
फूट पड़ी सबके समक्ष पौरुष की पहली आग ।

रंगभूमि में अर्जुन था सब समाँ अनोखा बाँधे
बढ़ा भीड़–भीतर से सहसा कर्ण शरासन साधे ।
कहता हुआ, 'तालियों से क्या रहा गर्व में फूल ?
अर्जुन ! तेरा सुयश अभी क्षण में होता है धूल ।'

तूने जो जो किया, उसे मैं भी दिखला सकता हूँ,
चाहे तो कुछ नयी कलाएँ भी सिखला सकता हूँ ।
आँख खोलकर देख, कर्ण के हाथों का व्यापार
फूले सस्ता सुयश प्राप्त कर, उस नर को धिक्कार ।।

(i) काव्यांश में कठिन साधना में निरत किसे बताया गया है ? **1**

(a) कर्ण (b) अर्जुन
(c) भीम (d) दुर्योधन

(ii) प्रकृति का रहस्य समझ से परे क्यों होता है ? **1**

(a) शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होने से
(b) प्रकृति में विद्यमान भिन्नताओं से
(c) प्रकृति के रहस्यों से अनजान रहने से
(d) मनुष्य का अपना सीमित सामर्थ्य होने से

(iii) जलद–पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है – पंक्ति का भाव है – **1**

(a) बादल सूर्य को ढक नहीं सकता ।
(b) प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता ।
(c) बादल रूपी चादर सूर्य को ढक लेती है ।
(d) सूर्य शक्ति का प्रतीक है ।

(iv) कर्ण ने अर्जुन को क्यों ललकारा होगा ? **1**

(a) अपनी धनुर्विद्या दिखाने के लिए

(b) अपनी योग्यता बताने के लिए

(c) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए

(d) समाज को अपनी कला दिखाने के लिए

(v) कर्ण किस प्रकार के मनुष्य को धिक्कारता है ? **1**

(a) कायर मनुष्य को (b) वीरता दिखलाने वाले को

(c) सस्ती लोकप्रियता वाले को (d) अपनी प्रशंसा में रत रहने वाले को

अथवा

काव्यांश-दो

हो गया पूर्ण अज्ञातवास,
पांडव लौटे वन से सहास,
पावक में कनक-सदृश तप कर
वीरत्व लिए कुछ और प्रखर
नस-नस में तेज-प्रवाह लिये,
कुछ और नया उत्साह लिये ।
सच है, विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
शूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं ।
मुख से न कभी उफ कहते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते हैं

उद्योग निरत नित रहते हैं
भूलों का मूल नसाने को
खुद बढ़ विपत्ति पर छाने को ।
है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके वीर नर के मग में
खम ठोंक ठेलता है जब नर,
पर्वत के जाते पाँव उखड़ ।
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है ।

(i) 'अज्ञातवास' का अर्थ है ? **1**

(a) वन में बसना (b) गाँव में बसना
(c) अनजान स्थान पर रहना (d) गुप्त रूप से रहना

(ii) पांडव वन से किस रूप में लौटे थे ? **1**

(a) कमजोर होकर (b) दृढ़ होकर
(c) निर्विकार भाव से (d) बदले की भावना से

(iii) विपत्ति में किसे घबराहट होती है ? **1**

(a) कायर को (b) कमजोर को
(c) साहसी को (d) वीर को

(iv) 'पर्वत के जाते पाँव उखड़' – पंक्ति का भाव है **1**

(a) उत्साह का संचार होना (b) कठिनाइयों का समाप्त होना
(c) अवरोध का सामने आना (d) हिम्मत का समाप्त होना

(v) 'मानव जब जोर लगाता है' – पंक्ति में मनुष्य के किस प्रकार के गुण की ओर संकेत है ? **1**

(a) साहस (b) शक्ति
(c) परिश्रम (d) समर्पण

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी सार्वजनिक और निजी स्वच्छता के प्रति चिंतित थे । दक्षिण अफ्रीका में बिताए दिनों के बाद से ही यह उनके सत्याग्रह अभियान का हिस्सा था । गांधी जी के लिए, समाज में स्वच्छता के लिए अभियान एक जाति विहीन और स्वस्थ समाज बनाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग था । उन्होंने स्वच्छता को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने और इसे अस्पृश्यता को दूर करने की कुंजी मानने के अपने विचार को दोहराते हुए कहा था, "हर कोई अपना स्वयं का सफाई कर्ता है ।" गांधी जी जब दक्षिण अफ्रीका में थे तभी से उन्होंने अपनी साफ-सफाई का काम स्वयं करना शुरू कर दिया था और भारतीयों को भी सलाह दी थी कि वे अपना शौचालय साफ और सूखा रखें । वे जब भारत लौटे, तो उन्होंने दृढ़ता से भारतीयों के लिए स्वच्छता और उन्हें स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ।

गांधी जी ने कहा था, "स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण है ।" हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छता पर गांधी जी के विचारों से प्रेरणा ली और उनकी जयंती पर 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया । यह अभियान एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया और प्रधानमंत्री ने प्रत्येक भारतीय से इसमें शामिल होने और अपने आस-पास सफाई रखने का आग्रह किया ।

इस राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान देने और स्वच्छता की बढ़ती चुनौतियों को दूर करने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय ने एक बहु-आयामी कार्यनीति अपनाई और स्वच्छता तथा स्वास्थ्य में सुधार के लिए कई पहल कीं । 2015 के बाद से इसने विशेष रूप से स्वच्छता को अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाने के अपने प्रयासों का केन्द्र बिंदु बनाया है । ये पहल अपने कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों और लोगों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करती है और अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर इसे समग्रता से कार्यान्वित करती है ।

स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय की कायाकल्प पहल में सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में केन्द्र सरकार के संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में बुनियादी ढाँचे में सुधार, स्वच्छता व स्वास्थ्यकारिता और संक्रमण-नियंत्रण कार्यों में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी । स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन कई मानदंडों के आधार पर किया जाता है, और हर साल प्रत्येक स्तर पर अधिकतम अंक पाने वाले संस्थानों को कायाकल्प पुरस्कार प्रदान कर मान्यता दी जाती है ।

(i) महात्मा गांधी की प्रमुख चिंता थी – 1

(a) स्वच्छता (b) सत्याग्रह

(c) जाति–पाँति (d) छुआछूत

(ii) प्रधानमंत्री द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत कब की गई ? 1

(a) स्वतंत्रता दिवस से (b) गणतंत्र दिवस से

(c) गांधी जयन्ती से (d) सद्भावना दिवस से

(iii) 'अस्पृश्यता' से आप क्या समझते हैं ? 1

(a) जातीय भेदभाव (b) वर्गीय भेदभाव

(c) आर्थिक भेदभाव (d) सामाजिक भेदभाव

(iv) भारतीयों को स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता क्यों पड़ी ? 1

(a) स्वच्छता को लेकर सामाजिक भेदभाव के कारण

(b) भारतीयों द्वारा स्वच्छता के कार्य को हेय मानने के कारण

(c) स्वच्छता स्वयं का कार्य नहीं मानने के कारण

(d) स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण

(v) 'स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण है' – कथन का आशय है – 1

(a) स्वच्छता स्वतंत्रता का आधार

(b) स्वस्थ नागरिक से स्वतंत्रता

(c) स्वच्छता सबसे आवश्यक

(d) स्वच्छता से स्वास्थ्य

(vi) स्वास्थ्य और परिवार–कल्याण मंत्रालय का संबंध है – 1

(a) छोटे बच्चों के स्वास्थ्य से (b) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से

(c) भारत सरकार की योजनाओं से (d) अस्पताल तथा कर्मचारियों से

(vii) किसी भी देश में योजना बनाने का उद्देश्य होता है – 1

(a) अधिकाधिक धन कमाना ।

(b) संबंधित व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना ।

(c) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना ।

(d) लोगों को योजना के बारे में बताना ।

(viii) 'कायाकल्प पहल' योजना के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रमों में इनमें से क्या सम्मिलित नहीं है ? 1

(a) संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम

(b) स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम

(c) स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम

(d) शिक्षा संबंधी कार्यक्रम

(ix) स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी जागरूकता की आवश्यकता क्यों है ? 1

(a) बीमारियों से बचने के लिए

(b) जनता को जागरूक करने के लिए

(c) स्वस्थ समाज बनाने के लिए

(d) देश के विकास के लिए

(x) स्वच्छता को आप किस प्रकार की जिम्मेदारी मानते हैं ? 1

(a) सामूहिक (b) पारिवारिक

(c) सामाजिक (d) व्यक्तिगत

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

(i) काव्यांश में प्रयुक्त 'खेत' का अर्थ है – **1**

(a) जमीन (b) कागज

(c) भाव (d) शब्द

(ii) 'कोई अंधड़ कहीं से आया' – पंक्ति में प्रयुक्त अंधड़ का अर्थ है – **1**

(a) तूफान (b) धूल भरी आँधी

(c) भावों की आँधी (d) कठिनाइयाँ

(iii) बीज का अस्तित्व किसके संसर्ग से गल गया ? **1**

(a) कल्पना (b) धरती

(c) भाव (d) कविता

(iv) भावना रूपी बीजों के गलने से क्या परिणाम मिला ? **1**

(a) कवि की मेहनत व्यर्थ हो गई

(b) धरती पर अंकुर फूट पड़े

(c) कवि पुन: कल्पना करने लगा

(d) शब्दों के अंकुर फूट पड़े

(v) 'कल्पना' को रसायन क्यों कहा गया है ? **1**

(a) सृजन को सुन्दर बनाने में सहायक

(b) सृजन को सरल बनाने में महत्त्वपूर्ण

(c) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व

(d) सृजन का मूलभूत तत्त्व

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : **5 × 1 = 5**

(i) 'न्यूजपेग' से आप क्या समझते हैं ? **1**

(a) कथात्मक शैली में लेखन

(b) आलेख की तरह लेखन

(c) केस स्टडी प्रारूप में लेखन

(d) अन्य खबर से जोड़ कर लेखन

(ii) समाचार पत्रों को सामान्य समाचारों से अलग हटकर विशेष क्षेत्रों के बारे में जानकारी क्यों देनी पड़ती है ? **1**

(a) बाजार में टिके रहने के लिए

(b) सभी तरह के विषयों पर लेखन के लिए

(c) पाठकों की रुचियों के लिए

(d) विज्ञापन प्राप्त करने के लिए

(iii) बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को पत्रकारिता जगत में किस नाम से बुलाते हैं ? **1**

(a) संवाददाता (b) अंशकालिक पत्रकार

(c) पूर्णकालिक पत्रकार (d) फ्रीलांस पत्रकार

(iv) संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय लेखन को माना जाता है – **1**

(a) संपादक की आवाज़ (b) पत्रकार की आवाज़

(c) अख़बार की आवाज़ (d) पाठक की आवाज़

(v) फीचर को किस प्रकार का लेखन माना जाता है ? **1**

(a) कथात्मक (b) आत्मनिष्ठ

(c) वर्णनात्मक (d) विवरणात्मक

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं हुई, उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है । मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है ।

(i) बाजार को जादू क्यों कहा गया है ? **1**

(a) आपूर्ति करने के कारण (b) भ्रम पैदा करने के कारण

(c) बाज़ार की महिमा के कारण (d) जरूरत पैदा करने के कारण

(ii) 'जादू की मर्यादा' से आप क्या समझते हैं ? **1**

(a) प्रभाव की सीमा (b) जादू का असर

(c) रूप के समान (d) निश्चित प्रभाव

(iii) बाजार का असर कब अधिक होता है ? **1**

(a) जेब और मन खाली होने पर (b) जेब और मन भरे होने पर

(c) जेब भरी और मन खाली होने पर (d) जेब खाली और मन भरे होने पर

(iv) मन खाली और जेब भरी होने पर बाजार का प्रभाव कैसा होता है ? **1**

(a) सहयोगी (b) उपहासक

(c) मर्यादित (d) विनाशक

(v) बाजार का सभी सामान उपयोगी लगने के क्या कारण हो सकते हैं ? **1**

(a) जादू का असर (b) सामान की कमी

(c) सब कुछ खरीदने की इच्छा (d) संतुलित मन के कारण

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प को चुनकर लिखिए : **10 × 1 = 10**

(i) यशोधर बाबू अपने जीवन में किससे प्रभावित थे ? **1**

(a) कृष्णानंद पांडेय (b) कृष्णानंद वर्मा

(c) कृष्णानंद शर्मा (d) कृष्णानंद गुप्ता

(ii) 'जूझ' कहानी के नायक का मन किसके लिए तरसता था ? **1**

(a) भोजन के लिए (b) पढ़ने के लिए

(c) कपड़े के लिए (d) खेलने के लिए

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता की संस्कृति को आप किस श्रेणी में रखेंगे ? **1**

(a) खेतिहर संस्कृति (b) मैदानी संस्कृति

(c) नभ संस्कृति (d) शहरी संस्कृति

(iv) मुअनजो-दड़ो सबसे बड़ा शहर है – **1**

(a) ताम्रकाल के शहरों में (b) स्वर्णकाल के शहरों में

(c) पाषाणकाल के शहरों में (d) रजतकाल के शहरों में

(v) यशोधर बाबू को आप किस प्रकार के व्यक्ति की श्रेणी में रखेंगे ? **1**

(a) साधारण (b) आदर्शवादी

(c) पुरातनपंथी (d) विरोधी

(vi) बसंत पाटिल को लेखक द्वारा अपना दोस्त बनाने के कारणों में से कौन सा कारण सही नहीं है ? **1**

(a) होशियार छात्र होना (b) शांत स्वभाव का होना

(c) कक्षा का मॉनिटर होना (d) बड़े घर का होना

(vii) निम्नलिखित में से किस बात से यह पता चलता है कि मुअनजो-दड़ो के लोग बारीक कशीदाकारी करते थे ? **1**

(a) सूई मिलने से (b) दुशाला मिलने से

(c) सूती कपड़ा मिलने से (d) (a) और (b) दोनों

(viii) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा के रहस्य आज भी रहस्य क्यों बने हुए हैं ? **1**

(a) भव्यता के आडंबर से (b) अध्ययन नहीं हो पाने से

(c) अनबूझ लिपि के कारण (d) सुघड़ता के अभाव के कारण

(ix) 'जूझ' पाठ के लेखक को अकेला रहना क्यों अच्छा लगने लगा ? **1**

(a) कविता लिखने में रुचि जगने से (b) कविताओं के साथ खेलने से

(c) कविता के अर्थ को समझने से (d) कविता पर विचार करने से

(x) मास्टर की चाल पर दूसरी कविताएँ भी पढ़ी जा सकती हैं – कथन में प्रयुक्त 'चाल' शब्द का अर्थ हो सकता है – **1**

(a) रुकने एवं आगे बढ़ने का नियम (b) भाव-भंगिमा और गाने का ढंग

(c) अभिनय करने का ढंग (d) कविता लेखन करने का ढंग

खंड – ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए : **2 × 3 = 6**

(क) कहानी और नाटक में क्या-क्या समानताएँ होती हैं ?

(ख) रेडियो नाटक और सिनेमा में क्या भिन्नता होती है ?

(ग) क्या नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की कोई तकनीक हो सकती है ? इन्हें लिखते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?

8. दिए गए **चार** विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। **1 × 6 = 6**

(क) त्योहारों पर बाजार की चहल-पहल

(ख) अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद

(ग) पकी फसल से लहलहाता खेत

(घ) नदी में अचानक पानी का बढ़ना

9. निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(क) इंटरनेट तेजी से लोकप्रिय क्यों हो रहा है ? किन्हीं चार कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) पत्रकारीय साक्षात्कार और सामान्य बात-चीत का अंतर स्पष्ट करते हुए साक्षात्कारकर्ता के गुणों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) समाचार के इंट्रो और बॉडी से आप क्या समझते हैं ? मीडिया में इनका संबंध किससे है ? उसे क्या कहा जाता है ?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) मैं अपने मन का गान किया करता हूँ – 'आत्मपरिचय' कविता से ली गई इस पंक्ति के माध्यम से कवि की भावनाओं को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा' – पंक्ति के संदर्भ में अपने क्षेत्र की शरदकालीन सुबह का वर्णन कीजिए ।

(ग) किसी के दु:ख को बेचना कहाँ तक उचित है ? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में लिखिए ।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) भक्तिन की तुलना हनुमान जी से करने के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "काले मेघा पानी दे" पाठ में मेढक मंडली पर लोगों द्वारा सहेजे गए पानी को फेंकने को पानी की निर्मम बरबादी क्यों कहा गया है ?

(ग) "शिरीष पुष्प केवल भौंरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिलकुल नहीं" – कथन का भाव 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर कीजिए ।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) लुट्टन पहलवान ढोल को ही अपना गुरु क्यों मानता था ?

(ख) "काले मेघा पानी दे" पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीजी पर गांधी का प्रभाव था ।

(ग) "बाज़ार दर्शन" पाठ में आए 'पर्चेजिंग पावर' से आप क्या समझते हैं ? इसका सकारात्मक उपयोग कैसे किया जा सकता है ?

13. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'बगुलों के पंख' कविता के आधार उस सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसने कवि के मन को मोह लिया ।

(ख) 'बादल राग' कविता में कवि बादल को किस रूप में बुलाता है, और क्यों ?

(ग) तुलसीदास ने दरिद्रता की तुलना किससे की है और क्यों ?

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**		**10x1=10**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) स्वच्छता	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(c) गांधी जयंती से	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(a) जातीय भेदभाव	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(d) स्वच्छता के महत्व को नहीं समझने के कारण	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) स्वच्छता सबसे आवश्यक	**1**
	(vi)	**(vi)**	**(vi)**	(b) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से	**1**
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(c) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना	**1**
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(d) शिक्षा संबंधी कार्यक्रम	**1**
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(c) स्वस्थ समाज बनाने के लिए	**1**
	(x)	**(x)**	**(x)**	(d) व्यक्तिगत	**1**
2	**2**	**1**	**2**	**काव्यांश - एक**	**5x1=5**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) कर्ण	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(c) प्रकृति के रहस्यों से अनजान रहने से	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(b) प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(c) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) सस्ती लोकप्रियता वाले को	**1**
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**काव्यांश - दो**	
	(i)	**(i)**	**(i)**	(d) गुप्त रूप से रहना	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(b) दृढ़ होकर	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(a) कायर को	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(b) कठिनाइयों का समाप्त होना	**1**

	(v)	(v)	(v)	(c) परिश्रम	1
3	**3**	**4**	**3**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(d) अन्य खबर से जोड़कर लेखन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पाठकों की रुचियों के लिए	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) संवाददाता	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) अखबार की आवाज	1
	(v)	(v)	(v)	(b) आत्मनिष्ठ	1
4	**4**	**3**	**4**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(b) कागज	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) भावों की आँधी	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) कल्पना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) शब्दों के अंकुर फूट पड़े	1
	(v)	(v)	(v)	(c) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व	1
5	**5**	**5**	**5**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(b) भ्रम पैदा करने के कारण	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) प्रभाव की सीमा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) जेब भरी और मन खाली होने पर	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) विनाशक	1
	(v)	(v)	(v)	(a) जादू का असर	1
6	**6**	**6**	**6**		**10x1=10**
	(i)	-	-	(a) समय के पाबंद हैं	1
	-	(i)	-	(a) कृष्णानन्द पांडेय	1
	-	-	(i)	(a) असंतोष की स्थिति	1
	(ii)	-	-	(c) पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं	1
	-	(ii)	-	(b) पढ़ने के लिए	1
	-	-	(ii)	(b) पिता के सहयोगी नहीं होने से	1
	(iii)	-	-	(d) बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से	1
	-	(iii)	-	(b) मैदानी संस्कृति	1
	-	-	(iii)	(d) मुअनजो-दड़ो	1
	(iv)	-	-	(b) भाव अधिक लेने के लिए	1
	-	(iv)	-	(a) ताम्रकाल के शहरों में	1
	-	-	(iv)	(b) उनकी घड़ी से मेल नहीं खाने से	1
	(v)	-	-	(b) गाँव का सम्मानित व्यक्ति था	1
	-	(v)	-	(c) पुरातनपंथी	1
	-	-	(v)	(d) स्वाभिमानी	1
	(vi)	-	-	(a) खेती	1
	-	(vi)	-	(d) बड़े घर का होना	1

	-	-	(vi)	(a) विवशता	1
	(vii)	-	-	(d) गणित	1
	-	(vii)	-	(d), (a) और (b) दोनों	1
	-	-	(vii)	(c) लेखक के प्रति सहानुभूति	1
	(viii)	-	-	(a) दलदल की समस्या के कारण	1
	-	(viii)	-	(c) अनबूझ लिपि के कारण	1
	-	-	(viii)	(a) चूने और चिरोड़ी का	1
	(ix)	-	-	(a) हथियार	1
	-	(ix)	-	(b) कविताओं के साथ खेलने से	1
	-	-	(ix)	(c) अभिभूत करना	1
	(x)	-	-	(c) नीचा नगर	1
	-	(x)	-	(b) भाव-भंगिमा और गाने का ढंग	1
	-	-	(x)	(c) गढ़	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	7	8	8	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख	6
				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	1 3 1 1
8	8	7	7	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	**समानताएँ -** - कथावस्तु का होना - पात्रों का होना - परिवेश का होना - कहानी का क्रमिक विकास, संवाद, द्वंद्व एवं चरमोत्कर्ष का होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ख)	(ख)	(ख)	- रेडियो नाटक पूर्णतः श्रव्य माध्यम, सिनेमा दृश्य एवं श्रव्य दोनों - रेडियो नाटक में दृश्य नहीं होना, सिनेमा में विज़ुअल्स अर्थात दृश्य होना - रेडियो नाटक में सब कुछ संवादों व ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित करना, सिनेमा में मंच सज्जा, वस्त्र सज्जा एवं अभिनेता के चेहरे पर भाव-भंगिमाओं का भी होना	3

	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	कोई निश्चित तकनीकी या फार्मूला नहीं विषय खुले मैदान की भांति **सावधानियाँ -** विषय के साहचर्य से मन में आए आकर्षक व सुसंगत विचार व्यक्त करना आकर्षक व निर्वाह योग्य आरंभ मस्तिष्क में क्रमानुसार रूपरेखा बनाना विचार प्रवाह में सुसंबद्धता उचित तालमेल - दो बातें आपस में एक-दूसरे का खंडन न करें लेख में व्यक्त विचारों में आत्मनिष्ठता एवं लेखक के व्यक्तित्व की छाप **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1+2=3**
9	**9**	**9**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x4=8**
	(क)	**-**	**-**	बीट - संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान के आधार पर कार्यविभाजन, जैसे-खेल जगत से जुड़ी बीट **तैयारी -** विषय संबंधी गहन, विस्तृत, सूक्ष्म जानकारी संबंधित क्षेत्र की भाषा - शैली से पूर्णतः परिचित जानकारी की पुष्टि करना विश्वसनीयता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	-	**(क)**	**-**	दृश्य, श्रव्य एवं मुद्रित माध्यमों की सुविधा एक साथ उपलब्ध सूचनाओं के आदान-प्रदान का त्वरित माध्यम असीमित ज्ञान एवं मनोरंजन प्रदान करना व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान का साधन तमाम प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध होना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	**4**
	-	**-**	**(क)**	भाषा, व्याकरण, वर्तनी, शब्दों का उपयुक्त प्रयोग पाठकों के भाषा-ज्ञान के साथ-साथ उनके शैक्षिक ज्ञान व योग्यता का विशेष ध्यान पाठकों की रुचियों व जरूरतों का पूरा ध्यान	**4**

				- प्रकाशन की समय-सीमा (डेडलाइन) का ध्यान - शब्द-सीमा व स्पेस का ध्यान - छपने से पूर्व आलेख की सभी त्रुटियों को दूर करना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)	-	-	**संपादक के नाम पत्र -** - समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं के आरंभ में - संपादक के नाम पाठकों द्वारा लिखे पत्रों का प्रकाशन - स्थायी स्तंभ - पाठकों का अपना स्तंभ **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **उपयोगिता -** - पाठकों की भागीदारी - पाठकों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना - जन-समस्याओं को उठाना - जनमत को प्रतिबिंबित करना - नए लेखकों के लिए लेखन के आरंभ व सुधारने का अच्छा अवसर **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	-	(ख)	-	**अंतर-** - साक्षात्कारकर्ता द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से तथ्य, उसकी राय और भावनाएँ जानने के लिए प्रश्न पूछना - साक्षात्कार का स्पष्ट उद्देश्य व ढाँचा, लेकिन सामान्य बातचीत में निजी भावनाओं की अभिव्यक्ति, विषय-सीमा नहीं **गुण-** - संवेदनशीलता - कूटनीति - धैर्य - साहस - पर्याप्त जानकारी / ज्ञान	**2+2=4**

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	-	**(ख)**	**फीचर लेखन -** सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन **उद्देश्य -** पाठकों को सूचना देना एवं मनोरंजन करना लेखन की कोई निश्चित शैली / ढाँचा नहीं प्रायः कथात्मक शैली, भाषा-सरल, रूपात्मक, आकर्षक, मन को छूने वाली अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ व्यक्त करने का अवसर **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **समाचार लेखन -** उल्टा पिरामिड शैली छः ककारों के उत्तर देने का प्रयास वस्तुनिष्ठता व तथ्यों की शुद्धता पर बल सूचना के स्रोत को उद्धृत करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	(ग)	-	-	**दृश्य-** कैमरें में लिए गए शॉट्स, जिनके आधार पर खबर बुनी जाती है **कारण -** टेलीविजन के लिए समाचार लिखने की बुनियादी शर्त - दृश्य के साथ लेखन शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों **उदाहरण -** आसमान से जुड़ी खबर के लिए आसमान का दृश्य हो, समुद्र का नहीं	**1+2+1=4**
	-	**(ग)**	-	**इंट्रो और बॉडी -** इंट्रो- समाचार का पहला अनुच्छेद (किसी घटना, समस्या, विचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य, सूचना, जानकारी देना) बॉडी - समाचार का विस्तार **संबंध -** समाचार लेखन से **शैली -** उल्टा पिरामिड शैली	**2+1+1=4**
	-	-	**(ग)**	**संपादकीय लेख -** संपादक मंडल (संपादक व सहयोगी) द्वारा लिखना	**1+2+1=4**

				महत्तव - अखबार की आवाज, किसी घटना, समस्या, मुद्दे के प्रति अपनी राय व्यक्त करना ▯ किसी व्यक्ति विशेष के विचार न होकर, अखबार का प्रतिनिधित्व होने के कारण लेखन के साथ किसी का नाम न लिखा होना	
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**(ख)**	▯ प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणि-वर्ग (विशेषकर मनुष्य)की भावनाओं की काव्यात्मक अभिव्यक्ति ▯ प्रेम की महत्ता का प्रतिपादन ▯ प्रेम के अभाव में जीवन में शिथिलता आना ▯ प्रेम की तरंग से जीवन में उत्साह व उमंग का संचार **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	-	**(क)**	**-**	▯ कवि का मन सांसारिक व्यवहार से आहत ▯ अपने मन की इच्छानुसार जीना ▯ संसार के प्रति निर्लिप्तता का भाव ▯ कवि का जीवन-दर्शन अभिव्यक्त **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	-	**-**	**(क)**	▯ आज भी बेरोजगारी विद्यमान ▯ भूख मिटाना एक चुनौती ▯ समाज में जातिगत भेद-भाव ▯ मूल्यहीनता ▯ नारी की दयनीय स्थिति **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**-**	**-**	माध्यम या भाषा को प्रभावशाली बनाने के चक्कर में कथ्य के प्रभावहीन हो जाने का डर **कारण-** ▯ कवि का भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए अनावश्यक भाषिक-उपकरणों द्वारा सजाने हेतु प्रेरित दिखाई देना ▯ दर्शकों की शाबाशी और वाहवाही से प्रभावित होने की प्रवृत्ति	**1+2=3**

	-	(ख)	-	छात्रों की निजी अभिव्यक्ति (मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	3
	(ग)	-	-	• अपाहिज की पीड़ा का बाजारीकरण • मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता • कारोबारी दबाव के कारण हृदयहीनता	3
	-	(ग)	-	• विद्यार्थियों के उचित तर्क के आधार पर मूल्यांकन **यथा -** • असंवेदनशीलता दर्शाना उचित नहीं • भावनाओं को ठेस पहुँचाना व रुलाने का प्रयास उचित नहीं • पीड़ा का बाजारीकरण उचित नहीं	3
	-	-	(ग)	• मीडिया की कार्यप्रणाली पर व्यंग्य करना • दूरदर्शन की सामाजिक प्रतिबद्धता स्पष्ट करना • मीडिया का उद्देश्य-व्यावसायिक हितों की पूर्ति मात्र नहीं - बताना • मानवीयता की रक्षा करना • करुणा, दया, सहानुभूति के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग देना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
11	**11**	**13**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	(क)	(क)	• पंक्तिबद्ध रूप में उड़ते श्वेत बगुलों का बादलों के ऊपर तैरती साँझ की श्वेत काया के समान दिखाई देना	2
	(ख)	(ख)	(ख)	बादलों का आह्वान क्रांतिदूत / विप्लव के प्रतीक रूप मे / परिवर्तन के अग्रदूत **कारण -** • शोषण से मुक्ति हेतु • समाज से अन्याय, अत्याचार, आतंक की समाप्ति हेतु	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	**दरिद्रता की तुलना -** दस सिर वाले रावण से	1+1=2

				कारण - दरिद्रता रूपी रावण से सभी त्रस्त, पीड़ित, आतंकित	
12	**12**	**11**	**12**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	निस्वार्थ सेवाभाव लेखिका के प्रति पूर्णनिष्ठा, प्रेम, समर्पण परछाई की तरह सदैव उनके साथ रहना	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	अंधविश्वास मानना पानी के महत्व को समझना पानी की घोर कमी होना अज्ञानतावश महत्वपूर्ण वस्तु को बर्बाद करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	संस्कृत-साहित्य में शिरीष-पुष्प को बहुत कोमल मानना कालिदास का इस पुष्प पर पक्षपात केवल भौरों (कीट-पतंगों) का ही कोमल दबाव सहन करने में सक्षम बताना पक्षियों का भार सहने में पूर्णतया असमर्थ **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
13	**13**	**12**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**(क)**	**(क)**	ढोल की आवाज से प्रेरणा प्राप्त कर पहलवानी के दाँवपेंच सीखना और दंगल जीतना ढोल की थाप से ऊर्जा पाना, जोश का संचार होना अपनी जीत का श्रेय ढोल को देना और उसे अपना गुरु मानना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	त्याग और दया की भावना में विश्वास अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के निर्वाह पर बल गांधी जी की 'यथा प्रजा, तथा राजा' उक्ति में विश्वास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	पर्चेजिंग पावर - खरीदने की शक्ति	**1+1=2**

				सकारात्मक उपयोग - • भरे मन से अर्थात खरीदने की आवश्यक वस्तु निर्धारित कर बाज़ार जाना • बाजार के आकर्षण को हावी नहीं होने देना • आवश्यकता के अनुरूप ही खरीदारी करना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	

****